जेबवाले श्रवणयंत्र की सरल समस्याओं का सामाधान

अखिल भारतीय वाक्–श्रवण संस्थान
श्रवण विज्ञान विभाग
मानसगंगोत्री
मैसूर - 570006

जेबवाले श्रवणयंत्र की सरल समस्याओं का सामाधान

जब आप रोज़ श्रवणयंत्र का इस्तेमाल कर रहे हो, तो आम तौर पर इसमें कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं, जैसे श्रवणयंत्र में से आवाज़ की कमी आवाज़ ही न निकलना अथवा श्रवणयंत्र से घरघराती हुई या अस्पष्ट आवाज़ें आना आदि। इनमें से कुछ एक परेशानियों की जॉच, उपभोक्ता स्वयं ही कर सकते हैं।

इस पुस्तिका में शरीर स्तरीय श्रवणयंत्र में होने वाले कुछ सामान्य दोष, उसके आम कारण तथा कुछ हद तक इनके समाधान के बारे में बताया गया है।

दोष	कारण	समाधान
आवाज नहीं आना	श्रवणयंत्र 'T' या 'O' पर सेट होना।	उसे 'M' स्थिति पर सेट करें।
	बैटरी का कमज़ोर होना।	बैटरी को बदल लें।
	बैटरी का गलत तरीके से सेट होना।	बैटरी के +ve और –ve छोर बदलें।
	बैटरी का रिसना।	बैटरी को बदलें।
	टूटे हुए बैटरीयों का श्रवणायंत्र से संपर्क।	मरम्मत/बदली के लिए भेजें।
	श्रवणयंत्र का तार या डोरी का एक या दोनों ओर जुड़ा होना।	तार को श्रवणयंत्र या रिसीवर से जोड़े।
	तार टूटने पर या ख़राब होने पर।	तार को बदलें।
	मैल के कारण कान के साँचे में अवरोध।	कान का साँचा गर्म पानी में या साबुन या शैंम्पू से धोकर साफ़ करें।
	स्विच टूट जाना।	मरम्मत करवाएँ।
	रिसीवर टूटने पर।	मरम्मत करवाएँ।

रुक – रुक कर आवाज़ आना	तार टूटने पर या खराब होने पर ।*	तार को बदलें ।
	बैटरी के संपर्क में समस्याएँ ।	यह जाँचें कि सही नाप की बैटरी है या नहीं ।
		यदि बैटरी का नाप भी सही है और फ़िर भी बैटरी के संपर्क में ढ़ीला है तो सुधार के लिए भेज़ें ।
	तार और सॉकेट का संपर्क ढ़ीला होना ।	सुधार के लिए भेजें ।
धीमी आवाज़ आना	बैटरी कमज़ोर होना ।	बैटरियाँ बदल लें ।
	कर्णसाँचे में आंशिक अवरोध ।	गुनगुने पानी व साबुन / शैंपू से धोकर कर्णसाँचे को साफ़ करें ।
	वाल्यूम बंद होना ।	वाल्यूम स्विच को सही स्थिति पर सेट करें ।
	टूटे हुए स्विच / इलेक्ट्रानिकी दोष ।	मरम्मत के लिए भेज़े ।
	टोन नियंत्रक स्विच गलत स्थिति पर सेट करना ।	टोन नियंत्रक स्विच सही स्थिति पर सेट करें ।
विकृत आवाज़	माईक्रोफोन कपड़े में ढँका होना ।	माईक्रोफोन पोर्ट / ग्रिड खुला रखें ।
	रिसीवर में दरार आना ।	रिसीवर बदलें ।
	माईक्रोफोन में धूल लग जाना / गंदा होना ।	माईक्रोफोन साफ़ करें ।
	स्विच टूट जाना ।	मरम्मत के लिए भेजें ।
	बैटरी कमज़ोर होना ।	बैटरी बदल लें ।

श्रवणयंत्र से सीटी जैसी आवाज़ निकलना ।	माईक्रोफोन रिसीवर के बहुत नज़दीक होना ।	श्रवणयंत्र को थोड़ा नीचे या रिसीवर के उल्टे, दूसरी तरफ़ लगाएं, बच्चों के मामले में हारनेस का प्रयोग करें ।
	वॉल्यूम बहुत अधिक होना ।	वॉल्यूम का बटन सही संख्या पर सेट करें ।
	रिसीवर पर वाशर न होना ।	रिसीवर में नया वाशर लगा लें ।
	कर्णसाँचे का सही ढ़ंग से नहीं लगना ।	कर्णसाँचा बदल लें, विशेषत: बच्चों के मामले में ।
	कर्णसाँचा सही स्थान पर न होना ।**	कर्णसाँचे को कान की नली में सही प्रकार से लगाएं ।
बैटरी का जल्दी खत्म हो जाना ।	श्रवणयंत्र में बैटरी बहुत दिनों तक रह जाना ।	यदि बहुत समय तक श्रवणयंत्र का उपयोग न करें तो बैटरी यंत्र से निकाल कर रखें ।
	बैटरी काफ़ी देर तक नमी या गर्मी में रखने पर ।	बैटरी को सूखे और ठंडे वातावरण में रखें ।
	श्रवणयंत्र से अत्यधिक सीटी जैसी आवाज़ निकलना ।	कोई फीडबैक समस्या हो तो उसे सुधारें, श्रवणयंत्र से निकलनेवाली सीटी की आवाज़ न रोकने पर बैटरी बहुत जल्द खत्म हो जाता है ।
श्रवणयंत्र का टेलिफोन के साथ काम न करना	श्रवणयंत्र का स्विच 'T' स्थिति पर न होना ।	स्विच को 'T' स्थिति पर सेट करें ।
	वॉल्यूम न्यूनतम होना ।	श्रवणयंत्र का वॉल्यूम बटन दबाकर बढ़ाएं ।
	टेलिफोन को सही स्थान पर न रखना ।	टेलिफोन में रहे श्रवणयंत्र के टेलीकाइल के टेलिफोन के

पास रखें और उसका माउथपीस अपने मुह के पास रखें ।

टेलिफोन का इयरपीस श्रवणयंत्र के ऊपर मध्य भाग में रखें ।

यदि ऊपर दिए हुए निर्देश आप स्वयं न कर पाते हैं तो अपना श्रवणयंत्र योग्य इंजीनियर / तकनीशियन से मरम्मत कराएँ । समस्याओं को रोकने के लिए साल में एक बार श्रवणयंत्र सर्विस कराएँ ।

*श्रवणयंत्र का तार ठीक से काम कर रहा है या नहीं, यह जानने के लिये धीरे से पूरा तार अपनी उंगलियों के बीच घुमाएं । ऐसा करने पर यदि आवाज़ रुक रुक कर निकले तो यह कह सकते हैं कि तार में खराबी है ।

** कर्णसाँचा कानों में सही लगाने के लिए कान ऊपर की तरफ़ थोड़ा पीछे की ओर खींचें और बाद में उसे कर्णसाँचे की नली में बिठायें ।

हमारा पता:
अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान
मानसगंगोत्री, मैसूर 570 006

दूरभाष: (0821) 2514449 / 2515805 / 2515410
फैक्स : 0821 – 2510515
ईमेल: director@aiishmysore.in;
वेबसाइट: www.aiishmysore.in

कार्य समय: प्रात: 9.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक
सोमवार से शुक्रवार
केंद्रीय सरकारी छुट्टी दिनों को छोड़कर